रोज़गार वृद्धि में उत्तराखंड अग्रणी

चर्चा में क्यों?

नवीनतम **आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (Periodic Labour Force Survey- PLFS)**, 2023-24 रिपोर्ट के अनुसार, उत्तराखंड सरकार ने **बेरोज़गारी** कम करने में काफी प्रगति की है।

प्रमुख बिंदु

- **बेरोज़गारी दर में गिरावट:**
  - समग्र बेरोज़गारी **4.5% से घटकर 4.3%** हो गयी।
  - सबसे उल्लेखनीय कमी **15-29 आयु वर्ग** में हुई, जो **14.2% से घटकर 9.8%** हो गई।
- **श्रमिक जनसंख्या अनुपात में सुधार:**
  - वर्ष 2022-23 की तुलना में वर्ष 2023-24 में सभी आयु समूहों में श्रमिक जनसंख्या अनुपात में वृद्धि होगी।
  - **15-29 वर्ष की आयु के लिये: 27.5%** से बढ़कर **44.2%** हो गया।
  - **15-59 वर्ष की आयु के लिये: 57.2%** से बढ़कर **61.2%** हो गया।
  - **15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लिये: 53.5%** से बढ़ाकर **58.1%** हो गया।
- **युवा श्रम बल भागीदारी:**
  - युवाओं (15-29 वर्ष) की श्रम शक्ति में भागीदारी **43.7% से बढ़कर 49%** हो गई।
  - 15-59 आयु वर्ग के लिये श्रम बल भागीदारी **60.1% से बढ़कर 64.4%** हो गई।
  - 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में यह वृद्धि **56% से बढ़कर 60.7%** हो गई।
- **राष्ट्रीय औसत से आगे निकलना:**
  - उत्तराखंड की **15-29 आयु वर्ग** की श्रमिक जनसंख्या का औसत **49%** है, जबकि राष्ट्रीय औसत **46.5%** है।
  - 15-59 वर्ष की आयु के लिये, राज्य में यह दर 64.4% है (राष्ट्रीय औसत **: 64.3%)**।
  - 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लिये, उत्तराखंड में यह दर 60.7% है (राष्ट्रीय औसत: **60.1%**)।

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण रिपोर्ट (Periodic Labour Force Survey Report- PLFS)

- **परिचय:** यह भारत में रोज़गार और बेरोज़गारी की स्थिति को मापने के लिये **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)** के तहत NSO द्वारा आयोजित किया जाता है।
  - इसे **राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (National Sample Survey Office- NSSO)** द्वारा पहले किये गए श्रम बल सर्वेक्षणों की सीमाओं को दूर करने के लिये विकसित किया गया था।
- **PLFS के दो प्राथमिक उद्देश्य:** इसे रोज़गार और बेरोज़गारी को मापने के दो प्रमुख उद्देश्यों के साथ तैयार किया गया था:
  - **पहला उद्देश्य:** वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (Current Weekly Status- CWS) दृष्टिकोण का उपयोग करके शहरी क्षेत्रों के लिये लघु अंतराल (प्रत्येक तीन माह) पर श्रम बल भागीदारी और रोज़गार की स्थिति की गतिशीलता को मापना।
  - **दूसरा उद्देश्य:** सामान्य स्थिति और CWS मापदंडों का उपयोग करके ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के लिये श्रम बल अनुमानों को मापना।
- **नमूना डिजाइन और डेटा संग्रह में नवाचार:** NSSO द्वारा आयोजित पिछले पंचवर्षीय सर्वेक्षणों की तुलना में PLFS ने नमूना डिजाइन और जाँच की अनुसूची की संरचना में परिवर्तन किये।
  - PLFS में अतिरिक्त डेटा भी शामिल था, जैसे कि काम किये गए घंटों की संख्या, जिसे NSSO के पहले पंचवार्षिक दौर में एकत्र नहीं किया गया था।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/uttarakhand-leads-in-employment-growth